श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई दिल्ली): 50 एकड का किसान कहां है ?

श्री बालासाहिब विखे पाटिल : नान-इरीगेटेड एरियाज में लैण्ड सीलिंग के बाद भी 54 एकड़ का किसान है ।

इसलिए इनपुट्स की कीमतें, बिजली, पानी के दाम, कीमतें जो लोन देते हैं, इन सब चीजों के बारे में जब तक छोटे किसानों को अलग से सुविधाएं नहीं दी जाएंगी, तब तक उसकी उन्नति नहीं हो सकती ।

इसलिए छोटे किसान के बारे में अलग से सोचने की आवश्यकता है । उसको संरक्षण देने की आवश्यकता है । अगर सब किसानों के बारे में एक तरह से सोचा जाएगा तो छोटा किसान ऊपर नहीं आ सकता । आज छोटे किसानों की संख्या कम हो रही है । वे अपनी खेत बेच रहे हैं और बड़े किसान खरीद रहे हैं । इसलिए छोटे किसान की ओर ध्यान देने की बहुत आवश्यकता है ।

---

18 hrs

आशा है मंत्री महोदय इन सब चीजों की ओर ध्यान देंगे । इन शब्दों के साथ मैं अपने साथी लकप्पा को धन्यवाद देता हूं ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Sunder Singh: You take only one or two minutes. Then next time you can continue.

श्री सुन्दर सिंह (फिल्लौर) : माननीय लकप्पा जी यह जो बिल लाए हैं पता नहीं किस के खिलाफ लाये, गवर्नमेन्ट के खिलाफ लाए हैं या एग्रीक्लचरल प्राइस कमीशन के खिलाफ लाए हैं या किस के खिलाफ लाए हैं । ऐसा मालूम होता है कि उन्होंने सिर्फ फार्मर्स का ही इस में ख्याल रखा है। क्या बाकी लोग भूखे मर जाएं ? उन्होंने दो सौ रुपया करने की बात कहीं है । क्या बात करते हैं ? लैंड रिफार्म अभी तक हुआ नहीं है । हमारे यहां एक एक एकड़ में किसान आठ आठ हजार कमाता है । वह मेहनत करता है और कमाल दिखाता है । किस किसान की वह बात करते ? क्या मार्जिनल किसान की बात करते हैं ? उत्तर प्रदेश के जो किसान हैं वे काम ही नहीं करते हैं ।

18.01

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

स्पीकर साहब को ही आप लें । ये एक लैंडलार्ड हैं ।

अध्यक्ष महोदय : गन्ने के बीज को जो बाकी है वह अगली बार के लिये रख लेते हैं । आप अगली बार अपना भाषण जारी रखें । बाकी जो कुछ आपको कहना है, अगली बार कहें ।

18.02 hrs.

RESIGNATION BY MEMBER

MR. SPEAKER: I have to inform the House that I have received a letter dated the 22nd July, 1982 from Shri Zail Singh, an elected Member from Hoshiarpur constituency of Punjab, resigning his seat in Lok Sabha. Although it is not the practice to inform the House of the reasons for resignation, in this particular case I am happy to inform the House that he has resigned his seat in Lok Sabha in view of his election as President of the Republic. I have accepted his resignation with effect from today, the 22nd July, 1982, afternoon

---

18.03 hrs.

DISCUSSION ON PRIME MINISTER'S STATEMENT *RE.* SITUATION IN LEBANON—*Contd.*

MR SPEAKER: We shall now resume the discussion under rule 193. Shri Ram Singh Yadav.

श्री राम सिंह यादव (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, लेबनान के सम्बन्ध में दोनों पक्षों की ओर से जो विचार व्यक्त किए गए हैं वे अपने आप में एक बहुत गम्भीरता लिए हुए हैं । लेबनान की पृष्ठभूमि को जब हम देखते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है कि वास्तव में यह समस्या उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद की देन है । 1920 में सब से पहले 16500 ज्यूज यहां पर आकर आबाद हुए थे । चर्चिल साहब सैक्रेटरी की हैसियत से--लेबनान गए थे और उस समय यह मसला सब से पहले सामने आया था । अरब लोगों ने उसका बड़ा विरोध